

इसे वेबसाईट [www.govtpressmp.nic.in](http://www.govtpressmp.nic.in) से भी डाउन लोड किया जा सकता है.



# मध्यप्रदेश राजपत्र

## ( असाधारण )

### प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 38]

भोपाल, मंगलवार, दिनांक 13 फरवरी 2024—माघ 24, शक 1945

विधि और विधायी कार्य विभाग

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 2024

क्र. 2586-31-इक्कीस-अ(प्रा.).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024 (क्रमांक 3 सन् 2024) का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. पी. गुप्ता, अवर सचिव.

MADHYA PRADESH BILL

No 3 of 2024

THE MADHYA PRADESH GOODS AND SERVICES TAX (AMENDMENT) BILL, 2024

TABLE OF CONTENTS

**Clause:**

1. Short title and commencement.
2. Amendment of Section 2.
3. Amendment of Section 24.
4. Amendment of Schedule III.
5. Transitory provision.
6. Repeal and Saving.

## MADHYA PRADESH BILL

No 3 of 2024

## THE MADHYA PRADESH GOODS AND SERVICES TAX (AMENDMENT) BILL, 2024

A Bill further to amend the Madhya Pradesh Goods and Service Tax Act, 2017.

Be it enacted by the Madhya Pradesh Legislature in the Seventy-fifth years of the Republic of India as follows :—

## Short title and commencement.

1. (1) This Act may be called the Madhya Pradesh Goods and Services Tax (Amendment) Act, 2024.

(2) It shall come into force from the date of its publication in the Madhya Pradesh Gazette.

## Amendment of Section 2.

2. In section 2 of the Madhya Pradesh Goods and Service Tax Act, 2017 (No. 19 of 2017) (hereinafter referred to as the principal Act),—

(a) after clause (80), the following clauses shall be inserted, namely :—

“(80A) “online gaming” means offering of a game on the internet or an electronic network and includes online money gaming;

(80B) “online money gaming” means online gaming in which players pay or deposit money or money’s worth, including virtual digital assets, in the expectation of winning money or money’s worth, including virtual digital assets, in any event including game, scheme, competition or any other activity or process, whether or not its outcome or performance is based on skill, chance or both and whether the same is permissible or otherwise under any other law for the time being in force;”;

(b) after clause (102), the following clause shall be inserted namely:—

“(102A) “specified actionable claim” means the actionable claim involved in or by way of,—

- (i) betting;
- (ii) casinos;
- (iii) gambling
- (iv) horse racing;
- (v) lottery; or
- (vi) online money gaming;”;

(c) in clause (105), at the end, for the full stop, the colon shall be substituted and thereafter, the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that a person who organizes or arranges, directly or indirectly, supply of specified actionable claims, including a person who owns, operates or manages digital or electronic platform for such supply, shall be deemed to be a supplier of such actionable claims, whether such actionable claims are supplied by him or through him and whether consideration in money or money’s worth, including virtual digital assets, for supply of such actionable claims is paid or conveyed to him or through him or placed at his disposal in any manner, and all the provisions of this Act shall apply to such supplier of specified actionable claims, as if he is the supplier liable to pay the tax in relation to the supply of such actionable claims;”;

(d) after clause (117), the following clause shall be inserted, namely:—

“(117A) “virtual digital asset” shall have the same meaning as assigned to it in clause (47A) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);”;

3. In section 24 of the principal Act, in clause (xi), the word “and” occurring at the end, shall be omitted and thereafter the following clause shall be inserted, namely:— **Amendment of section 24.**

“(xia) every person supplying online money gaming from a place outside India to a person in India; and”.

4. In Schedule III of the principal Act, in paragraph 6, for the words “lottery, betting and gambling” the words “specified actionable claims” shall be substituted. **Amendment of Schedule III.**

5. The amendments made under this Act shall be without prejudice to the provisions of any other law for the time being in force, providing for prohibiting, restricting or regulating betting, casino, gambling, horse racing, lottery or online gaming. **Transitory provision.**

6. (1) The Madhya Pradesh Goods and Service Tax (Amendment) Ordinance, 2024 (No. 1 of 2024) is hereby repealed. **Repeal and saving.**

(2) Notwithstanding the repeal of the said Ordinance, anything done or any action taken under the said Ordinance shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provision of this Act.

#### STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

In order to facilitate tax payer, it has become imperative to amend certain definitions, provisions related to the registration and Schedule III of Madhya Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (No. 19 of 2017).

2. The objects to amend the Madhya Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 are as follows:—

- (i) To define “online gaming”, “online money gaming”, “specified actionable claim” and “virtual digital asset” as well as to amend definition of “supplier” to provide clarity regarding “supplier” in case of supply of “specified actionable claim” in section 2.
- (ii) To insert a new clause in section 24 of the Act, to provide for mandatory registration of the person to supplying online money gaming, from a place outside India to a person in India.
- (iii) To substitute “specified actionable claim” in paragraph 6 of Schedule III of the Act, for the present entries “lottery, betting and gambling”, so as to provide clarity regarding taxability of actionable claims involved in or by the way of casinos, horse racing and online gaming.

3. As the matter was urgent and the Legislative Assembly was not in session, the Madhya Pradesh Goods and Services Tax (Amendment) Ordinance, 2024 (No. 1 of 2024) was promulgated for the purpose. It is now proposed to replace the said Ordinance by an Act of the State Legislature without any modification.

4. Hence this Bill.

**BHOPAL:**

**DATED THE 7<sup>th</sup> FEBRUARY, 2024**

**JAGDISH DEVDA**  
**Member-In-Charge**

इसे वेबसाईट [www.govtpressmp.nic.in](http://www.govtpressmp.nic.in) से भी डाउन लोड किया जा सकता है.



# मध्यप्रदेश राजपत्र

## ( असाधारण )

### प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 33]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 12 फरवरी 2024—माघ 23, शक 1945

विधान सभा सचिवालय, मध्यप्रदेश

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 2024

क्र. 2358-मप्रविस-16-विधान-2024.—मध्यप्रदेश विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियम 64 के उपबंधों के पालन में, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024 (क्रमांक 3 सन् 2024) जो विधान सभा में दिनांक 12 फरवरी 2024 को पुरःस्थापित हुआ है. जनसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है.

ए. पी. सिंह, प्रमुख सचिव.

मध्यप्रदेश विधेयक

क्रमांक ३ सन् २०२४

मध्यप्रदेश माल और सेवा कर ( संशोधन ) विधेयक, २०२४

विषय-सूची

खण्ड :

१. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ.
२. धारा २ का संशोधन.
३. धारा २४ का संशोधन.
४. अनुसूची ३ का संशोधन.
५. संक्रमणकालीन उपबंध.
६. निरसन तथा व्यावृत्ति.

## मध्यप्रदेश विधेयक

क्रमांक ३ सन् २०२४

## मध्यप्रदेश माल और सेवा कर ( संशोधन ) विधेयक, २०२४

मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, २०१७ को और संशोधित करने हेतु विधेयक.

भारत गणराज्य के पचहत्तरवें वर्ष में मध्यप्रदेश विधान-मण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:—

संक्षिप्त नाम तथा  
प्रारंभ.

१. (१) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, २०२४ है.

(२) यह मध्यप्रदेश राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा.

धारा २ का  
संशोधन.

२. मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, २०१७ (क्रमांक १९ सन् २०१७) (जो इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट है) की धारा २ में,—

(क) खण्ड (८०) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किए जाएं, अर्थात्:—

“(८०क) “ऑनलाइन गेम खेलना” से इंटरनेट या इलैक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर गेम की प्रस्थापना अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत ऑनलाइन धनीय गेम खेलना भी है;

(८०ख) “ऑनलाइन धनीय गेम खेलना” से ऐसा ऑनलाइन गेम खेलना अभिप्रेत है, जिसमें खिलाड़ी किसी आयोजन में, जिसमें गेम, स्कीम, प्रतिस्पर्धा या कोई अन्य क्रियाकलाप या प्रक्रिया भी है, धन या धन के मूल्य, जिसके अंतर्गत आभासी डिजिटल आस्तियां भी हैं, को जीतने की प्रत्याशा में, धन या धन के मूल्य का संदाय या जमा करता है, जिसके अंतर्गत आभासी डिजिटल आस्तियां भी हैं, चाहे इसका परिणाम या निष्पादन कौशल, अवसर या दोनों पर आधारित हो या नहीं, तथा चाहे वह तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन अनुज्ञेय हो या नहीं;”;

(ख) खण्ड (१०२) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“(१०२क) “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावे” से,—

(एक) दांव लगाने;

(दो) कैसिनो;

(तीन) द्यूतक्रीड़ा;

(चार) घुड़दौड़;

(पांच) लाटरी; या

(छह) ऑनलाइन धनीय गेम खेलना, में अंतर्वलित या उनके माध्यम से अनुयोज्य दावा अभिप्रेत है;”;

(ग) खण्ड (१०५) में, अंत में, पूर्ण विराम के स्थान पर कोलन स्थापित किया जाए और उसके पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“परन्तु कोई व्यक्ति, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों की पूर्ति की व्यवस्था या प्रबंध करता है, जिसके अंतर्गत वह व्यक्ति भी है, जो ऐसी पूर्ति के लिए डिजिटल या इलैक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म का स्वामी है, या उसका प्रचालन या प्रबंधन करता है, ऐसे अनुयोज्य दावों का पूर्तिकार समझा जाएगा, चाहे ऐसे अनुयोज्य दावे, उसके द्वारा या उसके माध्यम से पूर्ति किए जाते हों और चाहे ऐसे अनुयोज्य दावों की पूर्ति के लिए धन या धन के मूल्य, जिसके अंतर्गत आभासी डिजिटल आस्तियां भी हैं, में प्रतिफल, उसको या उसके माध्यम से संदत्त या हस्तांतरित किए जाते हैं या किसी भी रीति में उसको दिए जाते हैं, और इस अधिनियम के सभी उपबंध विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों के ऐसे पूर्तिकार को लागू होंगे, मानो वह ऐसे अनुयोज्य दावों की पूर्ति करने के संबंध में कर का संदाय करने के लिए दायी पूर्तिकार हो;”;

(घ) खण्ड (११७) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“(११७क) “आभासी डिजिटल आस्ति” का वही अर्थ होगा, जो आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २ के खण्ड (४७क) में समनुदेशित है;”;

३. मूल अधिनियम की धारा २४ में, खण्ड (ग्यारह) में, अंत में, “और” का लोप किया जाए, उसके पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

धारा २४ का संशोधन.

“(ग्यारह क) भारत से बाहर किसी स्थान से भारत में किसी व्यक्ति को ऑनलाइन धनीय गेम खेलने की पूर्ति करने वाला प्रत्येक व्यक्ति; और”

४. मूल अधिनियम की अनुसूची ३ में, पैरा ६ में, शब्द “लाटरी, दांव और छूत” के स्थान पर, शब्द “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों” स्थापित किए जाएं.

अनुसूची ३ का संशोधन.

५. इस अधिनियम के अधीन किए गए संशोधन, दांव लगाने, कैसिनो, छूतक्रीड़ा, घुड़दौड़, लाटरी या ऑनलाइन गेम खेलने को प्रतिषिद्ध, निर्बंधित या विनियमित करने का उपबंध करने वाली तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंध पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेंगे.

संक मणकालीन उपबंध.

६. (१) मध्यप्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, २०२४ (क्रमांक २ सन् २०२४) एतद्द्वारा निरसित किया जाता है.

निरसन तथा व्यावृत्ति.

(२) उक्त अध्यादेश के निरसन के होते हुए भी, उक्त अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई इस अध्यादेश के तत्स्थानी उपबंध के अधीन की गई बात या की गई कार्रवाई समझी जाएगी.

## उद्देश्यों और कारणों का कथन

करदाताओं को सुविधा दिए जाने हेतु, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, २०१७ (क्रमांक १९ सन् २०१७) की कतिपय परिभाषाओं, रजिस्ट्रेशन से संबंधित उपबंधों और अनुसूची ३ में संशोधन करना अनिवार्य हो गया है।

२. मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, २०१७ को संशोधित करने के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:—

- (एक) धारा २ में, “ऑनलाइन गेम खेलना”, “ऑनलाइन धनीय गेम खेलना”, “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावे” तथा “आभासी डिजिटल आस्ति” को परिभाषित करने के साथ ही धारा २ में “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावे” की पूर्ति के मामले में “पूर्तिकार” के संबंध में स्पष्टता लाने हेतु “पूर्तिकार” की परिभाषा में संशोधन करना।
- (दो) भारत के बाहर किसी स्थान से, भारत में किसी व्यक्ति को ऑनलाइन धनीय गेम खेलने की पूर्ति करने वाले व्यक्ति के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण का उपबंध करने हेतु अधिनियम की धारा २४ में एक नवीन खण्ड का अंतःस्थापन करना।
- (तीन) अधिनियम की अनुसूची ३ के पैरा ६ में, वर्तमान प्रविष्टियों “लाटरी, दांव और द्यूत” के स्थान पर, “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावे” का स्थापन करना, जिससे कैसिनो, घुड़दौड़ तथा ऑनलाइन गेम खेलने में अंतर्वलित या उनके माध्यम से अनुयोज्य दावों की करयोग्यता के संबंध में स्पष्टता प्रदान की जा सके।

३. चूंकि मामला अत्यावश्यक था तथा विधान सभा का सत्र चालू नहीं था, अतएव, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, २०२४ (क्रमांक १ सन् २०२४) इस प्रयोजन के लिए प्रख्यापित किया गया था। अब उक्त अध्यादेश के स्थान पर, राज्य विधान-मण्डल का अधिनियम बिना किसी उपांतरण के लाया जाना प्रस्तावित है।

४. अतः विधेयक प्रस्तुत है।

भोपाल:  
तारीख ७ फरवरी, २०२४

जगदीश देवड़ा  
भारसाधक सदस्य।

## अध्यादेश के संबंध में विवरण

करदाताओं को सुविधा दिए जाने हेतु मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, २०१७ (क्रमांक १९ सन् २०१९) की कतिपय परिभाषाओं, रजिस्ट्रेशन से संबंधित उपबंधों और अनुसूची ३ में संशोधन की आवश्यकता परिलक्षित हो रही थी जिसके तहत ऑनलाइन गेम खेलना उससे संबंधित रजिस्ट्रेशन आदि को अधिनियम में सम्मिलित किया जाना था इसके साथ ही अन्य कुछ आवश्यक संशोधनों की भी आवश्यकता थी।

चूंकि मामला अत्यावश्यक था तथा विधान सभा का सत्र चालू नहीं था, अतएव, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, २०२४ (क्रमांक १ सन् २०२४) प्रख्यापित किया गया था।

ए. पी. सिंह  
प्रमुख सचिव,  
मध्यप्रदेश विधान सभा।